24 लेखकों को बाल साहित्य पुरस्कार

नई दिल्ली। साहित्य अकादमी ने बुधवार को हिंदी में सुशील शुक्ल, अंग्रेजी में नितिन कुशलप्पा एमपी और उर्दू में गज़नफर इकबाल समेत 24 भारतीय भाषाओं के लेखकों को 2025 के प्रतिष्ठित बाल साहित्य पुरस्कार से दिए जाने की ऐलान किया। अकादमी के सचिव के. श्रीनिवास राव ने बताया कि इसके अध्यक्ष माधव कौशिक की अध्यक्षता में अकादमी के कार्यकारी मंडल की बैठक में 24 भाषाओं के लेखकों को उनकी रचनाओं के लिए बाल साहित्य पुरस्कार 2025 के लिए अनुमोदित किया गया है। हिंदी में शुक्ल को उनकी कहानी 'एक बटे बारह' के लिए प्रतिष्ठित पुरस्कार देने का फैसला किया गया है। **(विवरण पेज 9)**

सुशील शुक्ल समेत 24 लेखकों को बाल साहित्य पुरस्कार

नई दिल्ली (एसएनबी)। साहित्य अकादमी ने बुधवार को हिंदी में सुशील शुक्ल, अंग्रेजी में नितिन कुशलप्पा एमपी और उर्दू में गज़नफर इकबाल समेत 24 भारतीय भाषाओं के लेखकों को 2025 के प्रतिष्ठित बाल साहित्य पुरस्कार से दिए जाने की ऐलान किया।

अकादमी के सचिव के. श्रीनिवास राव ने बताया कि इसके अध्यक्ष माधव कौशिक की अध्यक्षता में अकादमी के कार्यकारी मंडल की बैठक में 24 भाषाओं के लेखकों को उनकी रचनाओं के लिए बाल साहित्य पुरस्कार 2025 के लिए अनुमोदित किया गया है। हिंदी में शुक्ल को उनकी कहानी 'एक बटे बारह' के लिए प्रतिष्ठित पुरस्कार देने का फैसला किया गया है।

अंग्रेजी में नितिन कुशलप्पा एमपी को 'दक्षिण, साउथ इंडियन मिथ्स एंड फैब्लस रीटोल्ड' (कहानी), उर्दू में इकबाल को 'कौमी सितारे' (लेख) व मैथिली में मुन्नी कामत को 'चुक्का' (कहानी) के लिए बाल साहित्य पुरस्कार से नवाज़ा जाएगा। बांग्ला में त्रिदिब कुमार चट्टोपाध्याय को 'एखोनो गाये कांटा देय' (कहानी), गुजराती में कीर्तिदा ब्रह्मभट्ट को 'टिंचक' (कविता), मराठी में सुरेश सावंत को 'आभालामाया' (कविता) और पंजाबी में पाली खादिम (अमृत पाल सिंह) को 'जादू पत्ता' (उपन्यास) के लिए पुरस्कृत किया जाएगा। अकादमी राजस्थानी में भोगीलाल पाटीदार को 'पंखेरुवं नी पीड़ा' (नाटक), संस्कृत में प्रीति पुजारा को 'बाल विश्वम' (कविता), संथाली में हरलाल मुर्मु को 'सोना मिरु-अग संदेश' (कविता) और नेपाली में साङ्मु लेप्चा को 'शांति वन' (उपन्यास) के लिए पुरस्कार से नवाज़ने का फैसला किया है।

असमिया में सुरेंद्र मोहन दास को 'मैनाहंतर पद्द' (कविता), बोडो में बिनय कुमार ब्रह्मा को 'खान्थि बोसोन आरो आखु दानाय' (कहानी), डोगरी में पीएल परिहार 'शौक' को 'नन्हीं टोर' (कविता), कोंकणी में नयना आडारकार को 'बेलाबायचो शंकर आनी हेर काणयो' (कहानी) तथा मणिपुरी में शांतो एम. को 'अंगंगशिगगी शन्नाबुंगसिदा' (नाटक) के लिए बाल साहित्य पुरस्कार मिलेगा।

तेलुगु में गंगिसेट्टी शिवकुमार को 'काबुरला देवता' (कहानी), तमिल में विष्णुपुरम सरवणन को 'ओत्तराई सिरगू ओविया (उपन्यास), सिंधी में हीना अगनानी 'हीर' को 'असमानी परी' (कविता), ओड़िया में राजकिशोर परही को 'केते फूला फुटिची' (कविता), मलयालम में श्रीजित मुतेडत को 'पेंग्विनुकालुडे वंकारायिल' (उपन्यास), कन्नड में के. शिवलिंगप्पा हण्दिहल को 'नोटबुक' (कहानी) और कश्मीरी में इजहार मुबाशिर को 'शुर्य त चुर्यगिश्य' (कहानी) के लिए पुरस्कृत किया जाएगा। विजेता लेखकों को पुरस्कार स्वरूप ताम्रफलक तथा 50 हजार रुपए की सम्मान राशि प्रदान की जाएगी।

साहित्य अकादेमी

हिंदी में शुक्ल को कहानी 'एक बटे बारह' और अंग्रेजी में नितिन कुशलप्पा एमपी को 'दक्षिण, साउथ इंडियन मिथ्स एंड फैब्लस रीटोल्ड' के लिए किया जाएगा पुरस्कृत